महा-अभियान: अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी 2026

थीम: समावेशी शिक्षा: हमारा हर बच्चा महत्वपूर्ण

आयोजन तिथि: 25 जुलाई, 2026

(प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार सरकार के दिशा-निर्देशों पर आधारित कार्यान्वयन मार्गदर्शिका)

https://teachersofbihar.org/

हमारा मूल उद्देश्य

इस संगोष्ठी का उद्देश्य अभिभावकों एवं समुदाय में यह समझ विकसित करना है कि प्रत्येक बच्चा अपनी क्षमता, रुचि एवं सीखने की गति के अनुसार विशिष्ट है।

समान अवसर

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) सहित सभी को मुख्यधारा से जोड़ना।

सम्मान

हर बच्चे की व्यक्तिगत पहचान का आदर।

सहयोग

विद्यालय और समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी।

अनुकूल वातावरण

सीखने के लिए एक सुरक्षित और सकारात्मक माहौल सुनिश्चित करना।

https://teachersofbihar.org/

सामूहिक जिम्मेदारी का ढांचा

The Ecosystem of Inclusion

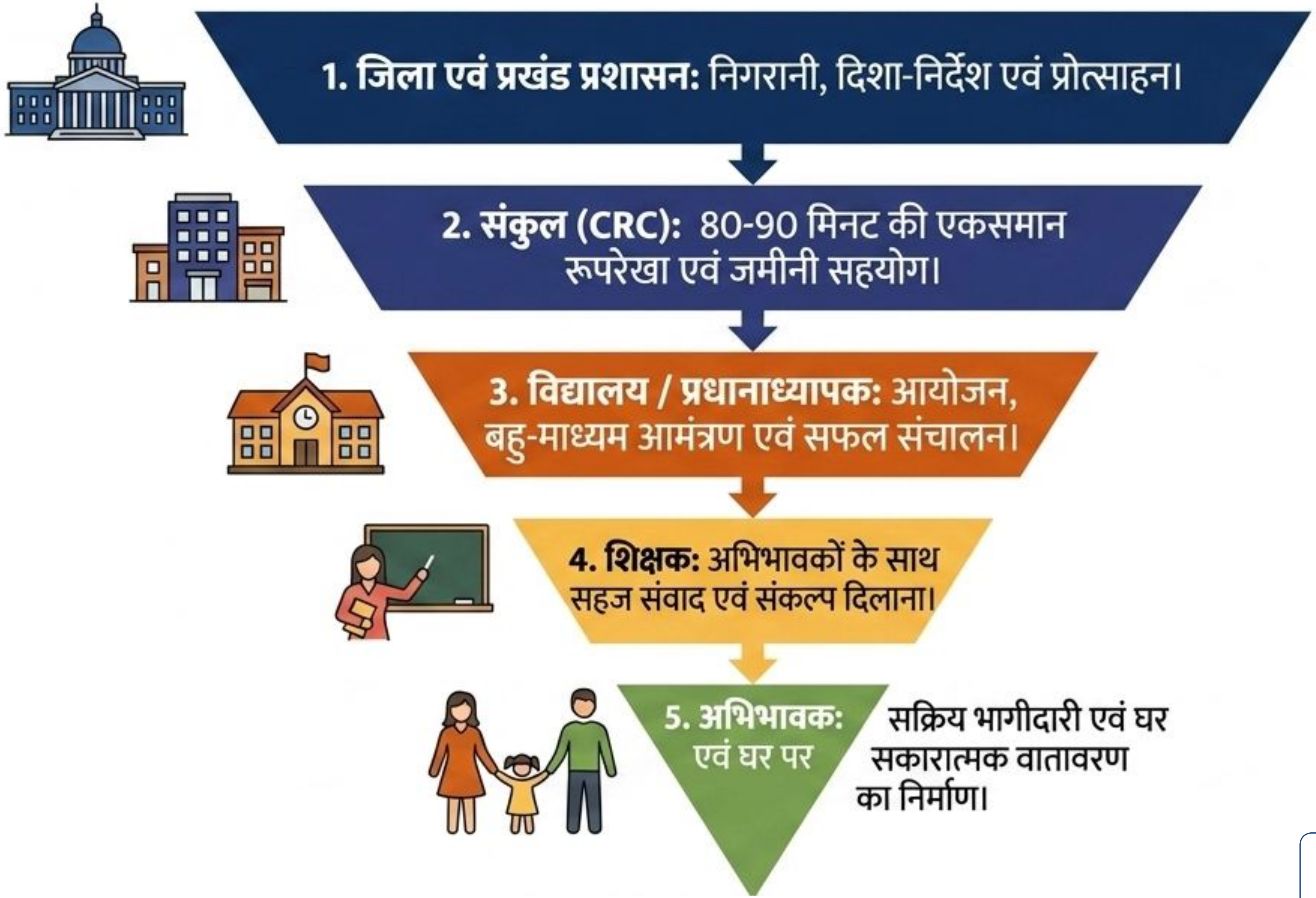

https://teachersofbihar.org/

प्रशासनिक दायित्व - मैट्रिक्स

जिला (District)

- ✓ जिले के सभी प्रारंभिक विद्यालयों में वर्ग-वार PTM सुनिश्चित करना।
- ✓ समीक्षा बैठक का अनिवार्य एजेंडा बनाना।
- ✓ मीडिया एवं जनसंपर्क गतिविधियां।
- ✓ CSOs के साथ मिलकर जिला स्तरीय पर्यवेक्षण दल द्वारा निरीक्षण।
- ✓ उत्कृष्ट विद्यालयों को प्रोत्साहन एवं कम सहभागिता वाले विद्यालयों के लिए विशेष रणनीति।
- ✓ राज्य को मासिक रिपोर्ट प्रेषित करना।

प्रखंड (Block)

- ✓ शैक्षणिक एवं प्रशासनिक सहयोग प्रदान करना।
- ✓ PTM दिवस पर विद्यालय भ्रमण एवं अवलोकन।
- ✓ बेहतर PTM आयोजित करने वाले CRC को सम्मानित करना।
- ✓ PTM रिपोर्ट का संकलन एवं विश्लेषण।

संकुल स्तर (CRC)

- ✓ सभी विद्यालयों को 80 से 90 मिनट की एकसमान रूपरेखा उपलब्ध कराना।
- ✓ अपने क्षेत्र के 2 विद्यालयों में PTM विज़िट करना।
- ✓ बेहतरीन PTM वाले 1 विद्यालय को CRC स्तर पर सम्मानित करना।

https://teachersofbihar.org/

चरण 1: PTM पूर्व → चरण 2: PTM दिवस → चरण 3: PTM पश्चात

विद्यालय स्तर (प्रधानाध्यापक) - पूर्व तैयारी

पूर्व तैयारी एवं आमंत्रण (Preparation & Invitation)

- ❑ **योजना बैठक:** सभी शिक्षकों, बाल संसद, मीना मंच तथा SMC के साथ पूर्व बैठक आयोजित करना।
- ❑ **बहु-माध्यम आमंत्रण:** बच्चों के माध्यम से पत्र, WhatsApp संदेश एवं माइकिंग, टोला संपर्क।
- ❑ **परिसर प्रबंधन:** विद्यालय परिसर की स्वच्छता एवं बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- ❑ **अकादमिक तैयारी:** वर्गवार थीम आधारित गतिविधियाँ, छात्र प्रगति रिपोर्ट, तथा विद्यालय की उपलब्धियों/चुनौतियों की प्रस्तुति तैयार करना।

विशेष फोकस (Targeted Outreach)

निम्न परिवारों से व्यक्तिगत संपर्क अनिवार्य है:

- ❑ अनियमित बच्चे
- ❑ ड्रॉपआउट बच्चे
- ❑ विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (CWSN)

https://teachersofbihar.org/

चरण 1: PTM पूर्व | चरण 2: PTM दिवस | चरण 3: PTM पश्चात

विद्यालय स्तर (प्रधानाध्यापक) - PTM का सफल संचालन

स्वागत एवं संचालन: अभिभावकों का आदरपूर्वक स्वागत और सभी गतिविधियों का समयबद्ध संचालन।

जानकारी साझा करना: विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) की पढ़ाई हेतु सरकारी योजनाएं एवं विद्यालय की भौतिक सुविधाओं के बारे में अभिभावकों को अवगत कराना।

सम्मान समारोह (Motivation): वर्गवार एक उत्कृष्ट. अभिभावक को 'पैरेंट ऑफ द मंथ' तथा एक छात्र/छात्रा को 'स्टूडेंट ऑफ द मंथ' से सम्मानित करना।

फीडबैक: सुझाव एवं शिकायत पंजी (Register) का अनिवार्य रूप से संधारण करना।

https://teachersofbihar.org/

✔ चरण 1: PTM पूर्व — ✔ चरण 2: PTM दिवस — ✔ चरण 3: PTM पश्चात

विद्यालय स्तर (प्रधानाध्यापक) - निष्कर्ष एवं अनुपालन

- **डिजिटल रिपोर्टिंग:** उपस्थिति एवं फीडबैक रिपोर्ट को राज्य द्वारा उपलब्ध कराए गए गूगल फॉर्म पर अपलोड करना।
- **पुनः संपर्क** (Follow-up)**:** विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, अनामांकित, ड्रॉप आउट अथवा कम उपस्थिति वाले बच्चों के अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क।
- **कार्रवाई:** बैठक में लिए गए निर्णयों की अनुपालन कार्यवाही सुनिश्चित करना।
- **पारदर्शिता:** विद्यालय सूचना पट (Notice Board) पर आज के PTM के प्रमुख निष्कर्षों को प्रदर्शित करना।

https://teachersofbihar.org/

शिक्षक–अभिभावक संवाद: एक दोतरफा पुल

शिक्षक की भूमिका:

- अभिभावकों के साथ सहज वातावरण बनाना ताकि वे खुलकर बातचीत कर सकें।
- बच्चों की अकादमिक प्रगति के बारे में जानकारी देना।
- व्यवहारगत समस्याओं पर अत्यंत संवेदनशीलता और सकारात्मकता से बातचीत करना।

अभिभावकों के लिए मुख्य संदेश:

- बच्चों को प्रतिदिन साफ–सुथरे ड्रेस में विद्यालय भेजना।
- बच्चों को नियमित रूप से पौष्टिक भोजन कराकर ही विद्यालय भेजना।
- गृहकार्य (Homework) पर चर्चा करना और उन्हें प्रेरित करना।

https://teachersofbihar.org/

अभिभावकों के 5 प्रमुख संकल्प

(शिक्षक अभिभावकों को निम्नलिखित बिंदुओं पर संकल्प दिलाएंगे)

1. **स्वच्छता एवं पोषण:** हम बच्चों को नहा-धोकर, पौष्टिक भोजन कराकर साफ-सुथरे ड्रेस में प्रतिदिन विद्यालय भेजेंगे।

2. **पढ़ाई का कोना:** घर में 'पढ़ाई का कोना' निर्धारित करेंगे तथा बच्चे प्रतिदिन 15-20 मिनट तक बोलकर पढ़ सकेंगे, यह सुनिश्चित करेंगे।

3. **डायरी चेकिंग:** प्रतिदिन घर पर पढ़ने के लिए कहेंगे, विद्यालय से मिले गृहकार्य की चर्चा करेंगे तथा उनकी स्कूल डायरी चेक करेंगे।

4. **सकारात्मक व्यवहार:** हम अपने बच्चों से प्यार और धैर्य से बात करेंगे।

5. **डिजिटल संयम:** मोबाइल व टीवी का समय सीमित कर बच्चों के साथ बातचीत करेंगे तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों में उन्हें संलग्न करेंगे।

नोट: सभी PTM में नियमित रूप से भाग लेना अनिवार्य है।

https://teachersofbihar.org/

अनिवार्य डेटा रिपोर्टिंग (राज्य स्तर)

राज्य स्तर से उपलब्ध कराए गए गूगल फॉर्म में प्रत्येक विद्यालय से संगोष्ठी की जानकारी अनिवार्य रूप से अपलोड की जानी है।

समय-सीमा: PTM संपन्न होने के तुरंत पश्चात।

प्राथमिक शिक्षा निदेशालय का

निर्देश: इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी प्रारंभिक विद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सहयोग प्रदान करें।

- कुमार निशांत विवेक,
निदेशक, प्राथमिक शिक्षा
(बिहार सरकार)

https://teachersofbihar.org/